

t[THE MINISTER OF EDUCATION (DR. K. L. SHRIMALI) : (a) and (b) Under the Scheme entitled "Research Scholarships in Humanities", 100 scholarships in a year can be awarded. In the year 1960-61, 63 candidates have been selected for scholarships, after interview. No foreign student is selected under this scheme.

MK

(c) One blind student applied for scholarship, but he was not found up to the required standard of selection.]

DR. K. L. SHRIMALI: I should like to explain further that with regard to this blind student, I have asked the Ministry to consider the case sympathetically and the matter is being examined. The Chairman of the Selection Committee refused to consider this case under the Scheme for Scholarships for Humanities but I have asked the Ministry to examine if it is possible to give him any assistance from our Scholarship Scheme for the Handicapped.

डिपोजिट इन्श्योरेंस योजना

*२५६. श्री नवाबसिंह चौहान : क्या वित्त मंत्री ५ सितम्बर, १९६० को राज्य सभा में तारांकित प्रश्न संख्या ६१७ के दिये गये उत्तर को देखेंगे और यह बताने की कृपा करेंगे कि क्या सरकार से डिपोजिट इन्श्योरेंस योजना पर कोई अन्तिम निर्णय कर लिया है और यदि हां, तो वह क्या है और यह योजना कब तक चालू हो जायेगी ?

f [DEPOSIT INSURANCE SCHEME

*259. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN: Will the Minister of FINANCE be pleased to refer to answer given to Starred Question No. 617 in the Rajya Sabha on the 5th September, 1960 and state whether Government have taken any final decision on the Deposit Insurance Scheme and if so, what are its details and by when it will be started?]

वित्त उपमंत्री (श्रीमती तारकेश्वरी सिन्हा) : इस सम्बन्ध में अभी विचार किया जा रहा है ।

t[THE DEPUTY MINISTER OF FINANCE (SHRIMATI TARKESHWARI SINHA) : The matter is still under consideration.]

श्री नवाबसिंह चौहान : इस स्कीम की खास बातें क्या हैं जिनके ऊपर विचार हो रहा है ?

श्री मोरारजी आर० देसाई : विचार पूरा हो तब खास बातें मालूम होंगी ।

श्री नवाबसिंह चौहान : मैं कह रहा हूँ कि किन किन बातों पर विचार हो रहा है ?

श्री मोरारजी आर० देसाई : डिपोजिट इन्श्योरेंस हो, यही एक सवाल है । इसमें और कोई सवाल है नहीं । कितने इम्प्लीकेशंस हैं, यह देखा जाता है ।

बगदाद में श्री रामगोपाल के नर्तक दल पर रोक

*२६०. श्री नवाबसिंह चौहान : क्या वैज्ञानिक अनुसंधान और सांस्कृतिक कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या १ फरवरी, १९६१ अथवा उसके आसपास पत्रों में छपा बगदाद से प्राप्त यह समाचार ठीक है कि ईराक सरकार ने श्री रामगोपाल के दल द्वारा किये जाने वाले नृत्य प्रदर्शनों पर रोक लगा दी थी ; और

(ख) यदि हां, तो इसका क्या कारण था और क्या इस सम्बन्ध में वहां के भारतीय दूतावास को दल की ओर से कोई शिकायत मिली थी और यदि मिली थी तो उस पर दूतावास के अधिकारियों द्वारा क्या कार्यवाही की गई ?

† [j English translation.